>

Title: Need to construct a bridge over Rapti river in Malhipur in Shravasti district of Uttar Pradesh.

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय (श्रावस्ती): महोदय, शून्य काल के दौरान आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मेरा संसदीय क्षेत्र श्रावस्ती, जो बौद्ध तीर्थस्थली भी है, पर्यटन की दृष्टि से, वनांचल की दृष्टि से, रिजर्व फारेस्ट के नाते और अंतर्राष्ट्रीय सीमा नेपाल से जुड़े होने के नाते, सामरिक दृष्टि से भी अपना बड़ा अलग ही महत्व रखती है और अति संवेदनशील है।

महोदय, मेरा संसदीय क्षेत्र अति पिछड़ा और बड़ा ही उपेक्षित रहा है। आप इसी बात से अंदाजा लगा सकते हैं कि मेरे संसदीय क्षेत्र में बैकवर्ड रीजन ग्रांट फंड, बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोजेक्ट और एमएसडीपी जैसी भारत सरकार की योजनाएं लागू हैं, जो पिछड़े हुए क्षेत्र के उन्नयन के लिए लागू की जाती हैं और उसे उनसे आच्छादित किया जाता है। उस क्षेत्र में राप्ती नदी बरसात के दिनों में, चौमासे में अति-प्लावन की स्थितियों में बड़ा ही भयानक रूप धारण कर लेती है और शिवालिक रेंज से निकलने वाले नाले अपने उफनते हुए जल में तमाम गाँवों को समाहित कर लेते हैं। यह बड़ी दयनीय स्थिति हो जाती है। जमनहा ब्लाक में राप्ती नदी पर एक पुल मधवाघाट पर निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है। इससे हरिहरपुर रानी ब्लाक और सिरसिया ब्लाक के लोगों की मुख्यालय से दूरी घटकर केवल 24 किलोमीटर रह जाएगी, जो अभी 47 किलोमीटर घूमकर आते हैं। यह सामरिक दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। वहाँ रिज़र्व फॉरेस्ट है। फॉरेस्ट में वृक्षों का अवैध कटान होता है, नक्सलियों के छिपने की भी जगह वह है, जिसके कारण उसका अपना महत्व है। मैं आपके माध्यम से चाहूँगा कि सरकार बॉर्डर एरिया डैवलपमैंट में इसको शामिल करने के लिए तत्काल कदम उठाए।